PAPER-II
DOGRI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

J A 0 3 3 1 7

Time : **1 ¼** hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **16**

Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
   (iv) The test booklet no. and OMR sheet no. should be same. In case of discrepancy in the number, the candidate should immediately report the matter to the invigilator for replacement of the Test Booklet / OMR Sheet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④
   where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet on conclusion of examination.
10. **Use only Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
   (iv) प्रश्न पुस्तिका नं. और OMR पत्रक नं. समान होने चाहिए । यदि नंबर भिन्न हों, तो परीक्षार्थी प्रश्न-पुस्तिका / OMR पत्रक बदलने के लिए निरीक्षक को तुरंत सूचित करें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :
   उदाहरण : ① ② ● ④
   जबकि (3) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

DOGRI
डोगरी

Paper – II
प्रश्न पत्रिका – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are compulsory.

नोट : इस पेपर च **पंजाह् (50)** मते विकल्पी सुआल न । हर सुआलै दे **दो (2)** नंबर न । **सभनें** सुआलें दे परते देओ ।

1. आश्रित यानि मतैह्ती सरबंध :

(a) मिश्रत वाक्य दे उपवाक्यें च होंदा ऐ ।

(b) सरल वाक्य च मौजूद रौंह्दा ऐ ।

(c) च संज्ञा उपवाक्य, विशेशन उपवाक्य ते क्रियाविशेशन औंदे न ।

(d) समानाधिकरण सरबंध दा पूरक होंदा ऐ ।

(1) (a) ते (c) ठीक न ।

(2) (a), (c) ते (d) ठीक न ।

(3) (b) ते (d) ठीक न ।

(4) (b), (c) ते (d) ठीक न ।

2. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-I	**चंदी**-II
(a) स्वर-प्रधान ते संगीतात्मकता-प्रधान	(i) शौरसेनी
(b) मथुरा दे इलाके दी प्राकृत	(ii) महाराश्ट्री
(c) सघोश ध्वनियें दा अघोश होई जाना	(iii) मागधी
(d) सभनें शा प्राचीन रूप 'अश्वघोष' च प्राप्त	(iv) पैशाची

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(3)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(4)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)

3. 'हिंदी का अर्थविज्ञान' 'शब्दानुशासन', 'हिंदी शब्दानुशास' ते 'मुग्धबोध' पुस्तकें दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दे लेखकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) हरदेव बाहरी, किशोरीदास वाजपेयी, बोपदेव ते हेमचंद्र

(2) हेमचंद्र, हरदेव बाहरी, बोपदेव ते किशोरीदास वाजपेयी

(3) हरदेव बाहरी, हेमचंद्र, किशोरीदास वाजपेयी ते बोपदेव

(4) किशोरीदास वाजपेयी, हेमचंद्र, बोपदेव ते हरदेव बाहरी

4. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीज़न यानी कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) भाशा दा रंभ वाक्यें कशा गै होआ ऐ इसकरियै भाशा च वाक्य रूपी इकाई प्रमुख ऐ ।

(R) पाणिनि दी एह् धारणा बड़ी वाजब ऐ की जे वाक्य कशा लौह्की अभिव्यति अर्थ दी पूर्णता च समर्थ नेईं होई सकदी ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

5. अवेस्ता ते पुरानी फ़ारसी

(1) दर्द शाखा दियां भाशां न ।

(2) ईरानी शाखा दियां भाशां न ।

(3) भारती शाखा दियां भाशां न ।

(4) आर्मेनियम भाशां न ।

6. डोगरी दे यौगिक क्रियाविशेशन :

(a) रचना दे अधार उप्पर बहुमुखी सुआतम दे न ।

(b) क्रियाविशेशनें कन्नै बलशाली शब्द जोड़ने कन्नै बनदे न ।

(c) द'ऊं जां मते क्रियाविशेशनें दे मेल कन्नै बनदे न ।

(d) सिर्फ संज्ञाएं कन्नै अव्यय जुड़ने कन्नै बनदे न ।

(1) (b), (c) ते (d) ठीक न ।

(2) (a), (c) ते (d) ठीक न ।

(3) (a), (b) ते (c) ठीक न ।

(4) (a), (b) ते (d) ठीक न ।

7. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-I	**चंदी**-II
(a) ब	(i) कार्यकारण-सूचक
(b) की जे	(ii) बरोध-सूचक
(c) जेकर	(iii) परिणाम-सूचक
(d) तां	(iv) शर्त-सूचक

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(2)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(3)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

8. – ई, – अनी, – आनी ते – ऐनी स्त्रीलिंगी प्रत्ययें दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दे योग कन्नै बनी दियें स्त्रीलिंगी संज्ञाएं दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) सरदारनी, तरखानी, जठानी ते चधरैनी

(2) तरखानी, सरदारनी, जठानी ते चधरैनी

(3) तरखानी, जठानी, सरदारनी ते चधरैनी

(4) जठानी, तरखानी, चधरैनी ते सरदारनी

9. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीज़न यानी कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) डोगरी भाशा दे लेखन च 'ह' वर्ण दी बरतून बहुमुखी भूमिका नभांदी ऐ ।

(R) की जे एह् वर्ण सघोश महाप्राण संघर्शी उच्चारण आस्तै बी बरतेआ जंदा ऐ ते नींदे – चढ़दे सुर आस्तै बी ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

10. इं'दे च संबंध-सूचक सर्वनाम ऐ :

(1) कु'न कोई (2) जो कोई

(3) सब कोई (4) कोई-कोई

11. "चन्नै आह्ली चाननी लभदी ऐ मांदी

कसरी बझोंदी ऐ ब्हार बी बांदी ।"

इ'नें पंगतियें च :

(a) शंगार रस लभदा ऐ ।

(b) बे-बसी दा भाव लभदा ऐ ।

(c) संजोग ते बजोग दा भाव लभदा ऐ ।

(d) हास्य-व्यंग दा भाव झलकदा ऐ ।

(1) (a) ते (b) ठीक ऐ ।

(2) (b) ते (c) ठीक ऐ ।

(3) (a) ते (c) ठीक ऐ ।

(4) (c) ते (d) ठीक ऐ ।

12. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-I		**चंदी-II**
(a)	निर्मल सतसई	(i)	गीत-संग्रैह्
(b)	सोध समुंदरें दी	(ii)	कविता-संग्रैह्
(c)	जे जींदे जी सुर्ग दिक्खना	(iii)	चमुखा-संग्रैह्
(d)	दऊं रंग-दऊं रस्ते	(iv)	दोहा-संग्रैह्

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(2)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(3)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(4)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

13. काली चिड़ी, चाननी दी कनसोड, मनेआदि आला, खोज इक कविता, इ'नें पुस्तकें दे इस क्रम मताबक इंदे रचनाकारें दा स्हेई क्रम बनदा ऐ :

(1) ओम विद्यार्थी, गोगाराम साथी, अरविंद, अभिशाप

(2) अभिशाप, ओम विद्यार्थी, गोगाराम साथी, अरविंद

(3) अरविंद, अभिशाप, ओम विद्यार्थी, गोगाराम साथी

(4) गोगाराम साथी, अरविंद, ओम विद्यार्थी, अभिशाप

14. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीज़न यानी कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) दीनू भाई पन्त दी कविता गुतलू मते सारे कवियें आस्तै प्रेरणा स्रोत रेही ऐ ।

(R) इस कविता दी हास्य-व्यंग शैली ने जन-जन गी प्रभावत कीता ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

15. "राजा राजकुमारें कन्नै सजदा इ'यां लभदा, धर्म, अर्थ, ते काम मोक्ष आखो किट्ठे हे लब्भे ।" इ'नें पंगतियें दे लेखक न:

(1) प्रकाश प्रेमी (2) स्वामी ब्रह्मानंद तीर्थ

(3) शम्भुनाथ शर्मा (4) परमानन्द अलमस्त

16. डोगरी क्हानी दी विकास-यात्रा दे इ'नें ब'रें च क्हानी-संग्रैह् प्रकाशत नेईं होए :

(a) 2001 (b) 2003

(c) 2004 (d) 2005

(1) (a) ते (c) ठीक न ।

(2) (b) ते (c) ठीक न ।

(3) (a), (b) ते (c) ठीक न ।

(4) (a), (b) ते (d) ठीक न ।

17. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-I		**चंदी-II**
(a)	फ्ही केह् होआ	(i)	समाज-सुधार
(b)	रेशम दे कीड़े	(ii)	मनोविज्ञान
(c)	भीमू	(iii)	प्रतीकात्मक
(d)	भगीरथ	(iv)	यथार्थवादी

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(2)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(3)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(4)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

18. प्रकाशन-ब'रे दे स्हाबें काली गंगा, पंदरां क्हानियां, सुक्खन ते थ'म्म ते कलावा क्हानी – संग्रैहें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) काली गंगा, पंदरां क्हानियां, सुक्खन ते थ'म्म ते कलावा ।

(2) काली गंगा, सुक्खन, पंदरां क्हानियां ते थ'म्म ते कलावा ।

(3) सुक्खन, काली गंगा, थ'म्म ते कलावा ते पंदरां क्हानियां ।

(4) पंदरा क्हानियां, थ'म्म ते कलावा, काली गंगा ते सुक्खन ।

19. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीज़न यानी कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) 'गास ओपरा, धरत बगान्नी', उपन्यास मोन्तेज शैली दी रचना ऐ ।

(R) इस उपन्यास दे कथानक गी लेखक ने अपनी जबानी ब्यान कीते दा ऐ ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

20. 'मोए दा पक्खरू' क्हानी दे रचनाकार न :

(1) बंधु शर्मा (2) देशबंधु डोगरा नूतन

(3) शकुंतला शर्मा बीरपुरी (4) चम्पा शर्मा

21. 'चार दिशां – चार' धाम नांऽदी पोथी :

(a) नरेन्द्र भसीन हुंदी रचना ऐ ।

(b) दा प्रकाशन सन् 2010 ई. च होए दा ऐ ।

(c) च कुल्ल 12 लेख संकलित न ।

(d) च कुल्ल 10 लेख संकलित न ।

(1) (a) ते (b) ठीक न ।

(2) (a) ते (c) ठीक न ।

(3) (b) ते (c) ठीक न ।

(4) (a) ते (d) ठीक न ।

22. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-I		**चंदी-II**
(a)	सोच	(i)	शिव नाथ
(b)	जात्तरा चक्र	(ii)	वेद राही
(c)	ओह् बी दिन हे	(iii)	नरसिंह देव जम्वाल
(d)	खूब सम्हाले भाव छुआले	(iv)	शिव निर्मोही

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(2)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

23. प्रकाशन-ब'रे दे स्हाबें 'लेख माला', 'जीवन चक्र', 'सोच तरंगां' ते 'सुच्ची सम्हाल' पोथियें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) जीवन चक्र, सुच्ची सम्हाल, लेख माला, सोच तरंगां

(2) जीवन चक्र, लेख माला, सोच तरंगां, सुच्ची सम्हाल

(3) सुच्ची सम्हाल, सोच तरंगां, जीवन चक्र, लेख माला

(4) जीवन चक्र, सुच्ची सम्हाल, सोच तरंगां, लेख माला

24. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीज़न यानी कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) आत्मकथा दा लेखक जिन्ना अपने बारे च जानदा ऐ उन्ना कोई दूआ उसदे बारे च नेईं जानी सकदा ।

(R) आत्मकथा लेखक आस्तै कुतै आत्म-स्तुति रुकाबट बनदी ऐ ते कुतै संकोची सभाऽ ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

25. 'किश पराने चेते' ते 'अक्खरें दा नशा' नांऽ दे संस्मरणात्मक निबन्ध रचे दे न :

(1) डॉ. वेद घेई ते कुंवर वियोगी होरें

(2) डॉ. चम्पा शर्मा ते जितेन्द्र शर्मा होरें

(3) तारा स्मैलपुरी ते नारायण मिश्र होरें

(4) नरेन्द्र भसीन ते नरेन्द्र खजूरिया होरें

26. 'ढौंदियां कंधां' नाटक :

(a) समाजिक ऐ ।

(b) यथार्थवादी ऐ ।

(c) दे लेखक नरेन्द्र खजूरिया न ।

(d) दा प्रकाशन ब'रा सन् 1975 ऐ ।

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न ।

(2) (a), (c) ते (d) ठीक न ।

(3) (a) ते (b) ठीक न ।

(4) (b) ते (c) ठीक न ।

27. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-I		**चंदी-II**
(a)	त्रिफला	(i)	राम नाथ शास्त्री
(b)	न्यां	(ii)	मदन मोहन शर्मा
(c)	इक परछामां बदली दा	(iii)	नरसिंह देव जम्वाल
(d)	झकदियां किरणां	(iv)	मोहन सिंह

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(4)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

28. प्रकाशन ब'रे दे स्हाबैं अयोध्या, रामलीला, मंडलीक ते कूंशजादी नाटकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) मंडलीक, कूंशजादी, अयोध्या ते रामलीला

(2) मंडलीक, रामलीला, अयोध्या ते कूंशजादी

(3) मंडलीक, अयोध्या, कूंशजादी ते रामलीला

(4) अयोध्या, रामलीला, कूंशजादी ते मंडलीक

29. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीज़न यानी कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) रंगमंची नाटक दी सफलता ओह्दे मंचन पर निर्भर करदी ऐ ।

(R) रंगमंची नाटक जेकर खढोऐ नेईं तां ओह्दा उद्देश्य मरी-मुक्की जंदा ऐ ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

30. 'सत्त जमां सत्त' :

(1) एकांकी संग्रैह् ऐ ।

(2) नाटक संग्रैह् ऐ ।

(3) नुक्कड़ - नाटक संग्रैह् ऐ ।

(4) झलकियें दा संग्रैह् ऐ ।

31. "सौन्दर्यमलंकार: ।" परिभाशा :

(a) वामन दी ऐ ।

(b) दण्डी दी ऐ ।

(c) अलंकार बारै ऐ ।

(d) सौन्दर्यवाद बारै ऐ ।

(1) (a) ते (b) ठीक न ।

(2) (b) ते (c) ठीक न ।

(3) (a) ते (c) ठीक न ।

(4) (c) ते (d) ठीक न ।

32. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-I		**चंदी-II**
(a)	शृंगार प्रकाश	(i)	आनन्द वर्धन
(b)	नाट्यशास्त्र	(ii)	कुन्तक
(c)	ध्वन्यालोक	(iii)	भोजराज
(d)	वक्रोक्ति जीवितम्	(iv)	भरतमुनि

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(2)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(3)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(4)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

33. प्रकाशन ब'रे दे स्हाबें 'डोगरी साहित्य दा इतिहास', 'डोगरी साहित्य चर्चा', 'काव्य चर्चा' ते 'आधुनिक डोगरी साहित्य-इक परिचे' अलोचना दियें पुस्तकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) 'काव्य चर्चा', 'डोगरी साहित्य चर्चा', 'डोगरी साहित्य दा इतिहास', 'आधुनिक डोगरी साहित्य - इक परिचे' ।

(2) 'डोगरी साहित्य चर्चा', 'काव्य चर्चा', 'आधुनिक डोगरी साहित्य - इक परिचे', 'डोगरी साहित्य दा इतिहास' ।

(3) 'आधुनिक डोगरी साहित्य - इक परिचे', 'डोगरी साहित्य चर्चा', 'काव्य चर्चा', 'डोगरी साहित्य दा इतिहास' ।

(4) 'डोगरी साहित्य दा इतिहास', 'डोगरी साहित्य चर्चा', 'काव्य चर्चा', 'आधुनिक डोगरी साहित्य - इक परिचे' ।

34. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीज़न यानी कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) आदर्शवाद च आदर्श दा अर्थ ऐ - अनुकरण करनेजोग उदाहरण ।

(R) आदर्शवाद गै समाज च नैतिक ते दार्शनिक मान्यताएं गी स्थापत करदा ऐ ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

35. साह्न गलांदा दांदा गी, तूं कैद्दी ऐं डंगर,
मालक अपनी 'शो' करने गी गल पांदा घुंघर ।
एह् सतरां उदाहरण न :

(1) प्रतीकवाद दियां ।
(2) यथार्थवाद दियां ।
(3) आदर्शवादी दियां ।
(4) आधुनिकतावाद दियां ।

36. मुहावरे :

(a) लोक साहित्य दे म्हतवपूर्ण अंग न ।

(b) भाशा दे सूखम ते प्रभावपूर्ण प्रयोगें दे भंडार न ।

(c) भाशा पर बधीकी भार न ।

(d) भाशा गी सैह्ज ते रोचक बनांदे न ।

(1) (a) ते (d) ठीक न ।

(2) (a) ते (c) ठीक न ।

(3) (b) ते (d) ठीक न ।

(4) (a), (b) ते (d) ठीक न ।

37. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-I		**चंदी-II**
(a)	बिशनपता	(i)	हिरख-प्रेम सरबंधी गीत
(b)	ढोलरू	(ii)	मांगलिक गीत
(c)	बधावा	(iii)	भजन
(d)	चन्न	(iv)	रुत्तें-ब्हारें सरबंधी गीत

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(2)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(3)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(4)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

38. विक्रमी संवत् मताबक मनाए जाने आह्ले करेआचौथ, धनत्रयोदशी, धमदेंऽ ते बसोआ पर्व-ध्यारें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) धनत्रयोदशी, बसोआ, धमदेंऽ, करेआचौथ ।

(2) धमदेंऽ, धनत्रयोदशी, बसोआ, करेआचौथ ।

(3) बसोआ, धमदेंऽ, करेआचौथ, धनत्रयोदशी ।

(4) करेआचौथ, धनत्रयोदशी, धमदेंऽ, बसोआ ।

39. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीज़न यानी कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) खुआन इक ते भाशा दियें रचनाएं गी जीवन दे करीब रखदे न ते दुआ भाव-व्यंजना च हैला दा कम्म करदे न ।

(R) एह् लोक बुद्धि, लोक अनुभव ते लोक-धारणाएँ दे खजाने न । इं'दे च बनकदी गल्ल समझाने दी सरमत्थ ऐ ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

40. 'निरमैल भलोखी बनतर च परम्परा थमां जबानो-जबानी चलने आह्ली कत्थ, लोक कत्थ खुआंदी ऐ ।' दे परिभाशाकार न :

(1) डॉ. सन्तराम अनिल (2) डॉ. सत्या गुप्ता

(3) कुन्दनलाल उप्रेती (4) डॉ. सत्येन्द्र

41. अनुवाद दी प्रक्रिया च "शब्दें ते अभिव्यक्तियें दा विश्लेशन" थमां अभिप्राय ऐ :

(a) विशे-वस्तु दा विश्लेशन ।

(b) शब्दें दे पर्यायें दा चुनांऽ ।

(c) इक जनेह् लब्भने आह्ले शब्दें दा अर्थ-निर्धारण ।

(d) लिंग सरबंधी निर्णां ।

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न ।

(2) (b) ते (c) ठीक न ।

(3) (b), (c) ते (d) ठीक न ।

(4) (c) ते (d) ठीक न ।

42. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-I		**चंदी-II**
(a)	गोट्या	(i)	2004
(b)	सुनो एह् क्हानी	(ii)	अरविंद गोस्वामी
(c)	धारां ते लोरे	(iii)	ओम गोस्वामी
(d)	अग्ग गोआह्	(iv)	शिव दोबलिया

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(3)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(4)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

43. भावानुवाद, शब्दानुवाद, प्रशासनिक अनुवाद ते स्वछंद अनुवाद, अनुवाद दे इ'नें भेदें दियें विशेषताएं दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) मूल मुक्त, अनुवाद दी बुनेआद, साहित्येतर ते छंद मुक्त ।

(2) छंद मुक्त, मूल मुक्त, साहित्येतर ते अनुवाद दी बुनेआद ।

(3) मूल मुक्त, अनुवाद दी बुनेआद, छंद मुक्त ते साहित्येतर ।

(4) छंदमुक्त, साहित्येतर, अनुवाद दी बुनेआद ते मूल मुक्त ।

44. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीज़न यानी कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) अनुवाद गी मतियें संस्कृतियें गी जोड़ने आह्ला पुल बी गलाया जंदा ऐ ।

(R) अनुवाद इक नेहा माध्यम ऐ जिसदे राहें इक बक्खरे भाशा-भाशी दियें भावनाएं, वृत्तियें, मानसिकता वगैरा गी समझेआ जाई सकदा ऐ ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

45. "साहित्यक लेखन सिरजनात्मक क्रिया ऐ, पर अनुवाद तैलचित्र आंह्गर उस सिरजना दी परतियै इक चिट्टी-काली रचना दे इलावा किश नेईं ।"

एह् आखे दा ऐ :

(1) भोलानाथ तिवारी ने ।

(2) शावरमैन ने ।

(3) मधुकर ने ।

(4) हेनरी गिफर्ड ने ।

46. जन संचार दे आधुनिक माध्यम न :

(a) कंप्यूटर

(b) टी.वी.

(c) कैह्ल

(d) ई-मेल

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न ।

(2) (a), (b) ते (d) ठीक न ।

(3) (a) ते (d) ठीक न ।

(4) (b), (c) ते (d) ठीक न ।

47. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-I		**चंदी-II**
(a)	परम्परागत माध्यम	(i)	कंप्यूटर
(b)	द्रिश्श माध्यम	(ii)	पत्रिकां
(c)	इलैक्ट्रानिक माध्यम	(iii)	ढोलकी ते ढोल
(d)	प्रिंट माध्यम	(iv)	टी.वी.

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(2)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(3)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(4)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

48. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीज़न यानी कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) हर शाब्दिक संप्रेशन दा माह्नू दे समाजिक तजरबें दे आधार उप्पर इक निश्चित अर्थ होंदा ऐ ते उस्सै करी संचार मुमकन होई पांदा ऐ ।

(R) शाब्दिक संप्रेशन लिखियै जां बोल्लियै, दौनें चाल्लियें कन्नै होई सकदा ऐ ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

49. भारत च रेडियो प्रसारण, रंगीन टैलीविजन, आकाशवाणी ते तार-समाचार-मीडिया दे खेतर इं'दी शुरुआत दे स्हाबें इं'दा स्हेई क्रम बनदा ऐ :

(1) तार-समाचार, भारत च रेडियो प्रसारण, आकाशवाणी ते रंगीन टैलीविजन

(2) आकाशवाणी, रंगीन टैलीविजन, तार-समाचार, भारत च रेडियो प्रसारण

(3) रंगीन टैलीविजन, आकाशवाणी, तार-समाचार, भारत च रेडियो प्रसारण

(4) भारत च रेडियो प्रसारण, रंगीन टैलीविजन, आकाशवाणी, तार-समाचार

50. महिलाएं आस्तै प्रसारित होने आह्ला जम्मू रेडियो दा डोगरी कार्यक्रम ऐ :

(1) कुड़ियें आस्तै (2) महिलाएं आस्तै

(3) जनानियें आस्तै (4) भैनें आस्तै

Space For Rough Work